

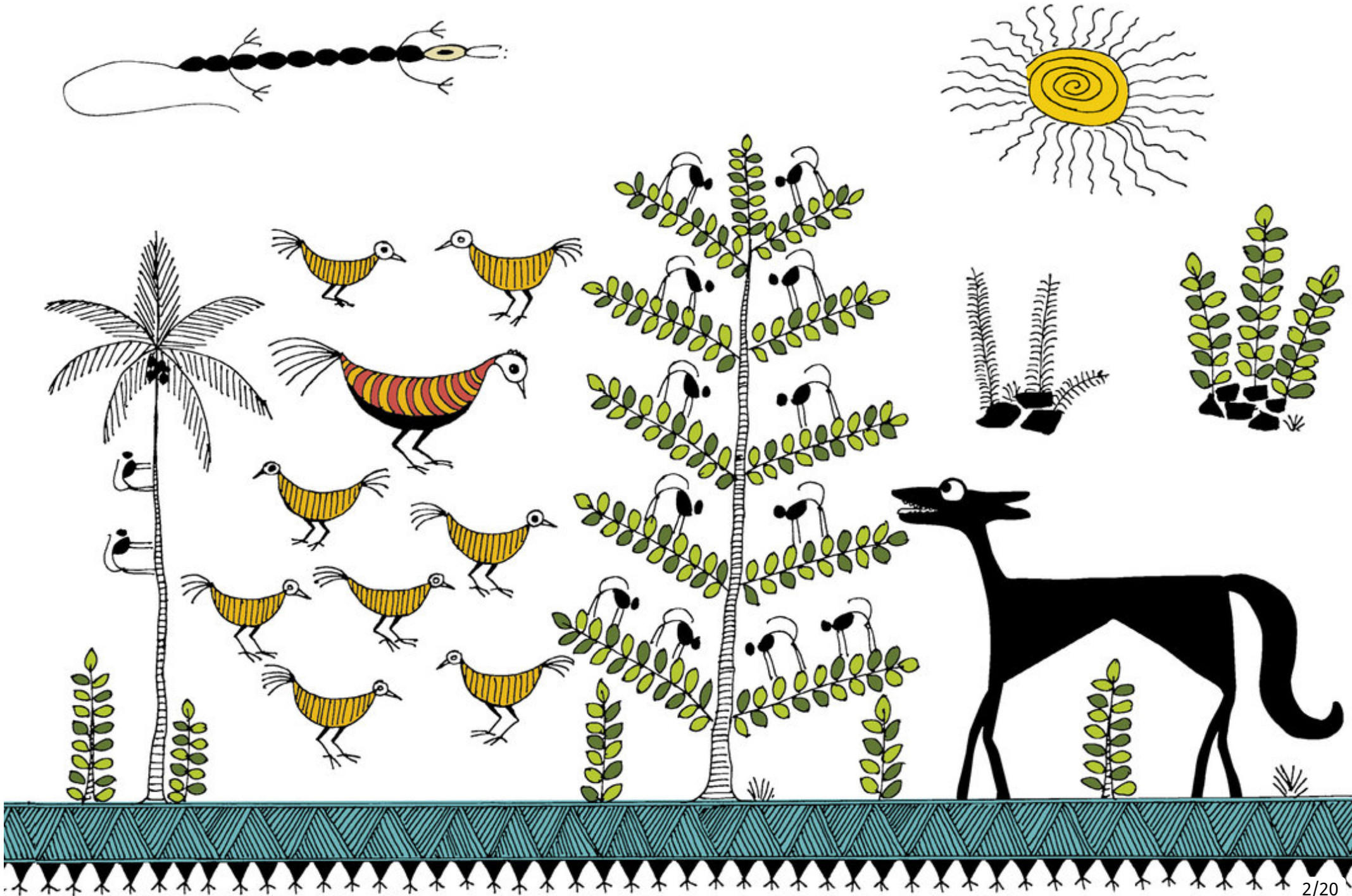
चतुर चूज़ा

Author: Juanga Writers' Group

Illustrator: Sugrib Kumar Juanga

Translator: Rajesh Khar

पठन स्तर २



एक मुर्गी और उसके आठ चूज़े खाना ढूँढते हुए इधर-उधर चोंच मार रहे थे।



अचानक एक सियार वहाँ आ धमका। मोटे ताज़े चूज़े देख कर उसके मुँह में पानी भर आया। उसने तय कर लिया कि वह सारे के सारे खा जायेगा।

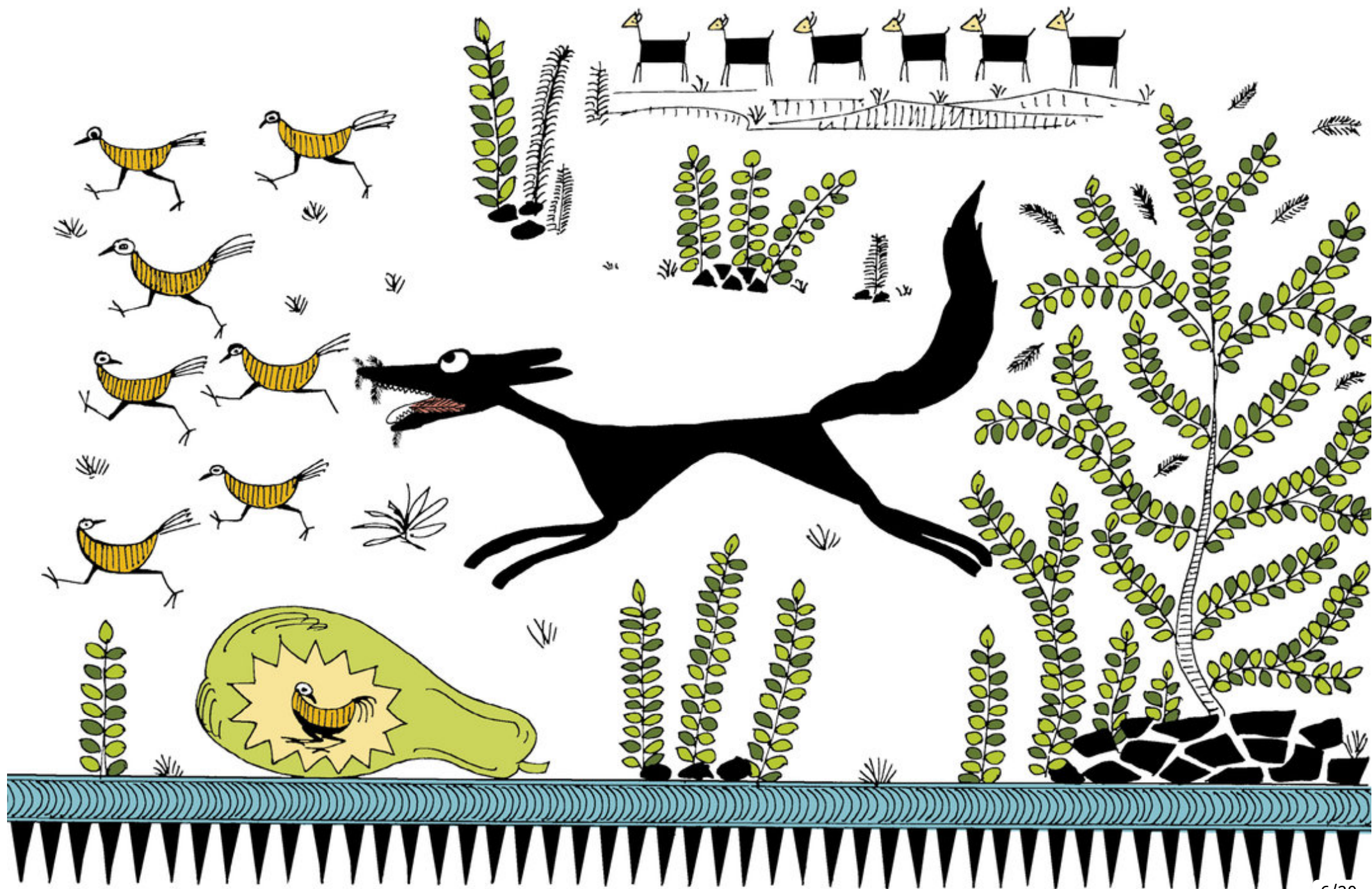


वह मुर्गी अम्मा से बोला कि तुम्हारी तबियत कुछ ठीक नहीं लग रही है।

“मैं तुम्हें डॉक्टर के पास ले जाता हूँ।”



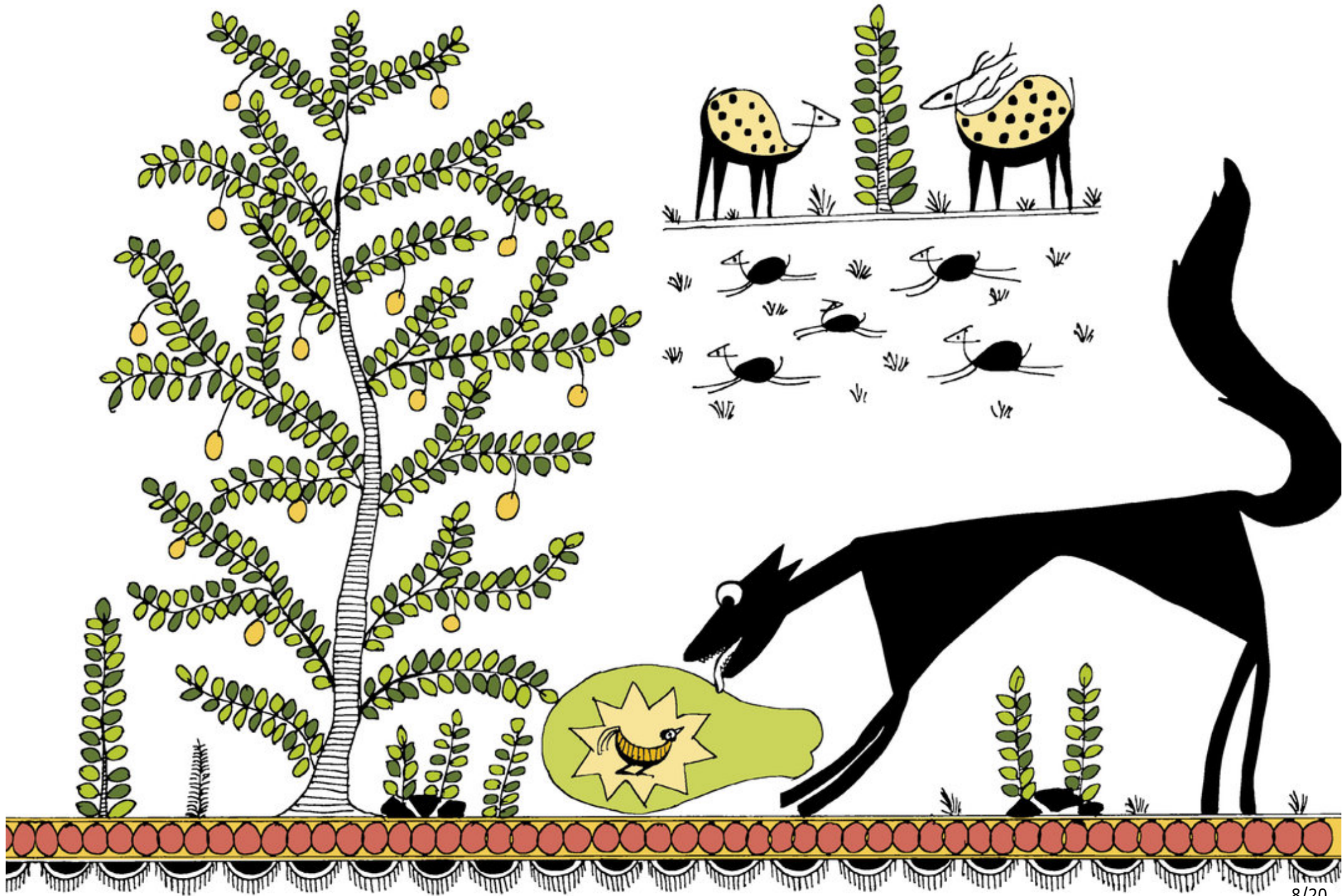
सियार उसे झट झाड़ी की आड़ में ले गया और उसे खा गया। वह बाकी सब चूड़े भी खाना चाहता था।



सियार चूज़ों के पास गया। उसे पता नहीं था कि उसकी लम्बी मुँछों पे मुर्गी के पर चिपके हुए थे। उन्हें देख कर सारे चूज़े डर के मारे भाग गए।



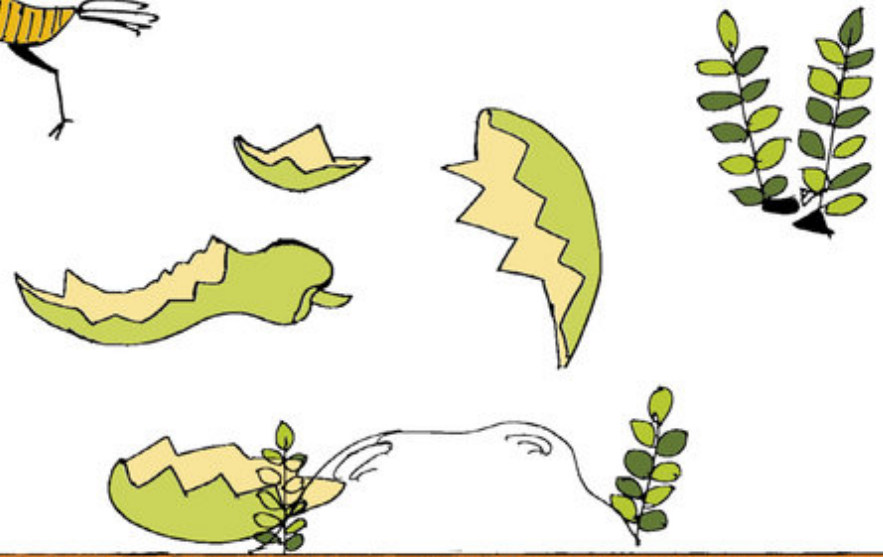
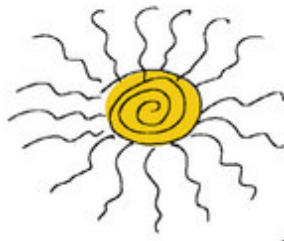
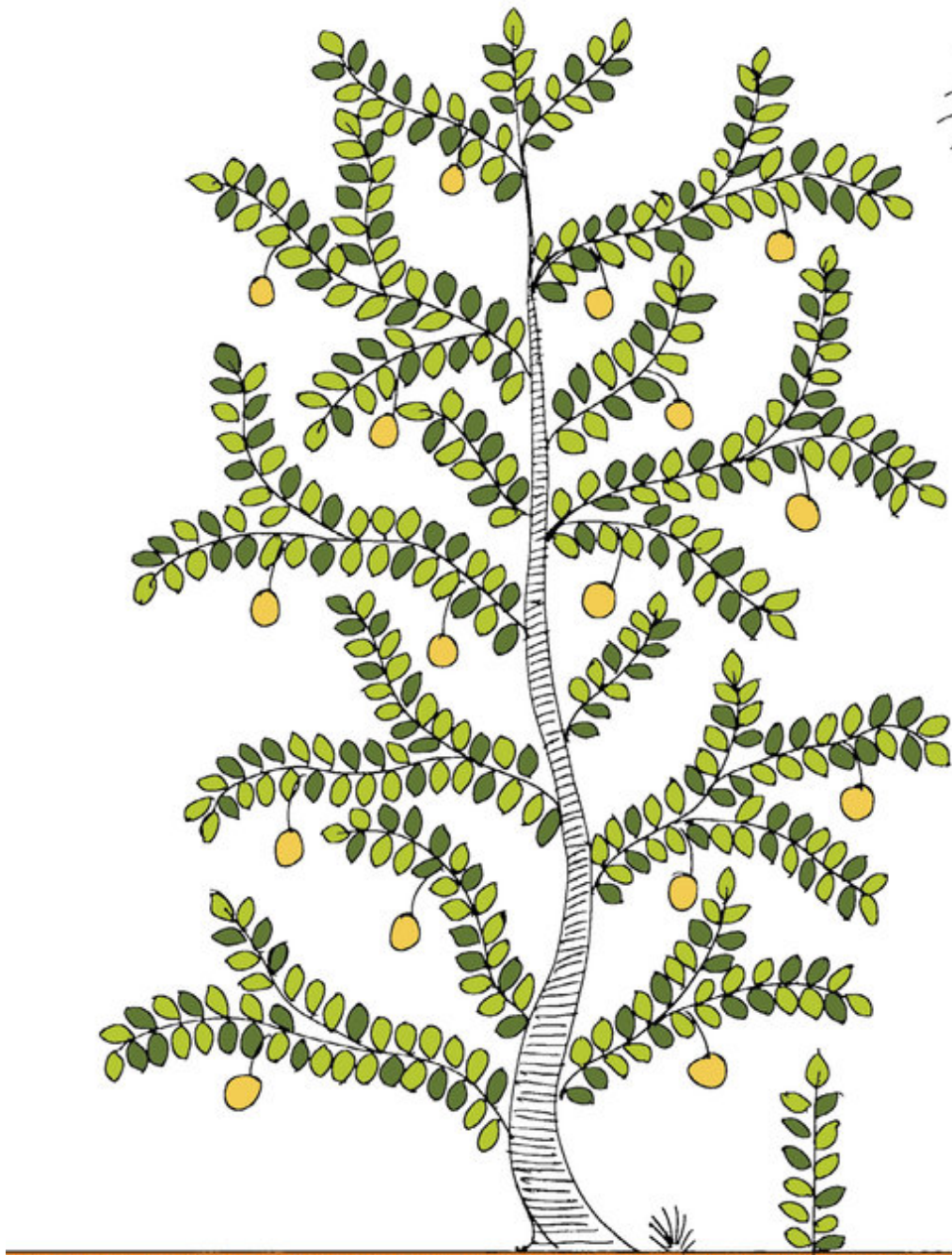
सबसे नन्हा चूज़ा भाग नहीं पाया। वह एक लौकी के खोल में छुप गया।



सियार गुराया, "अरे भांजे, अब मैं तुम्हें खा जाऊँगा।"



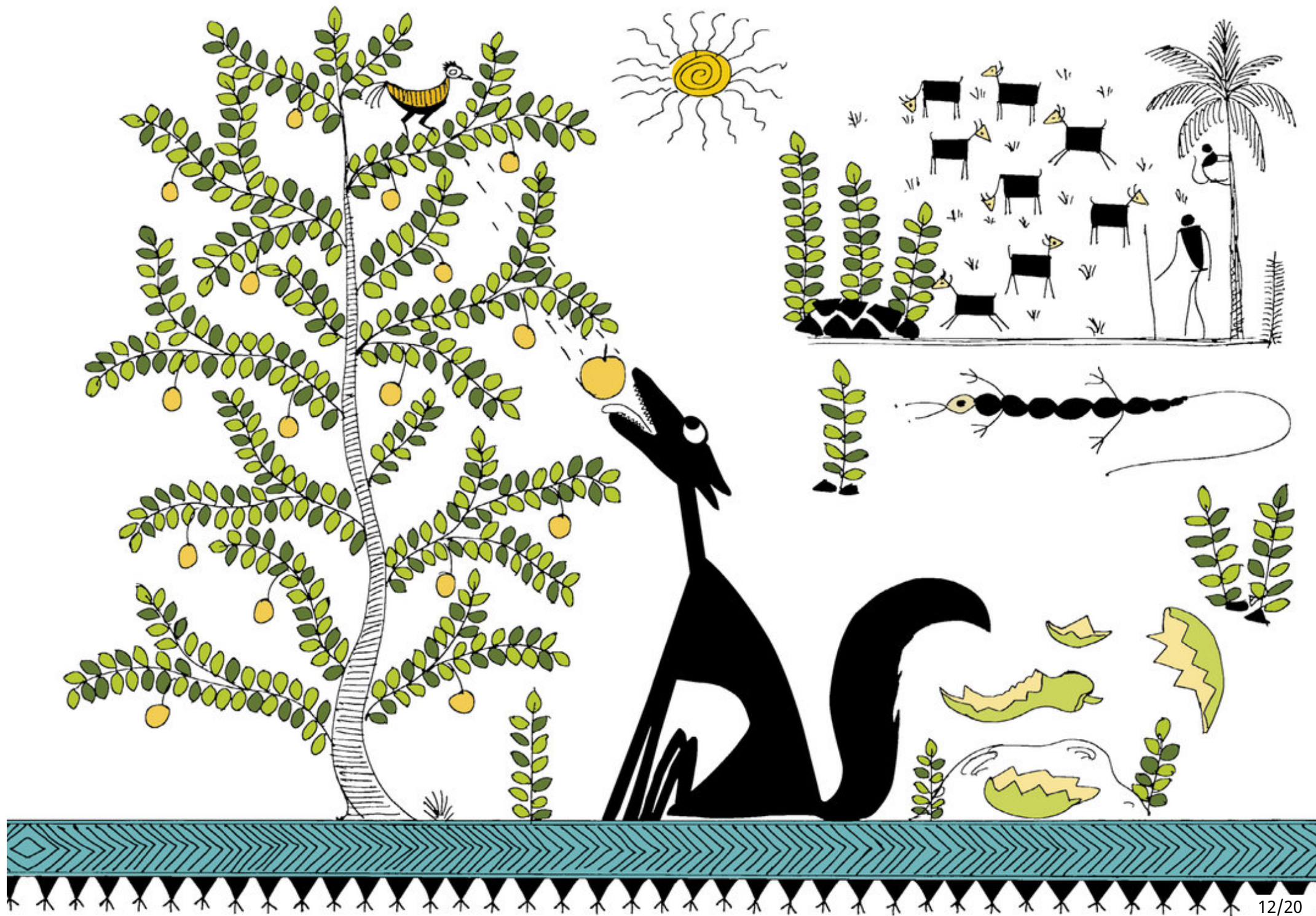
नन्हा चूड़ा बोला, "मैं आपसे इतना डरता हूँ। आप इस लौकी के खोल को पत्थर पर दे मारिये तो मैं मर जाऊँगा। फिर आप मुझे खा लीजियेगा।"



सियार ने बिलकुल वैसा ही किया।



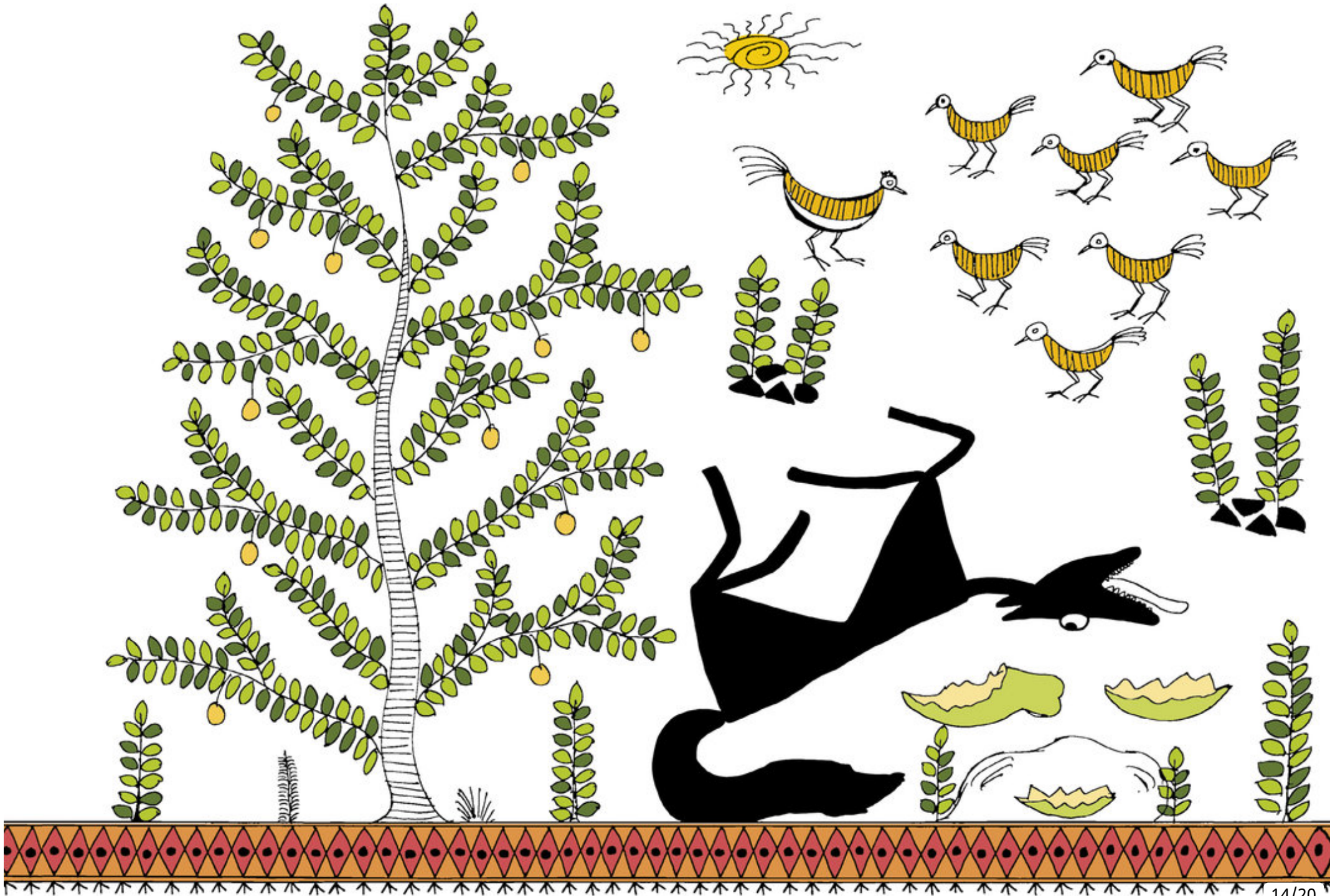
लौकी का खोल पत्थर पर फट गया। पर नन्हा चूड़ा उड़ कर पास ही बेल के पेड़ की डाली पर बैठ गया।



“अब मैं तुम्हें कैसे खाऊँ,” सियार ने पूछा।



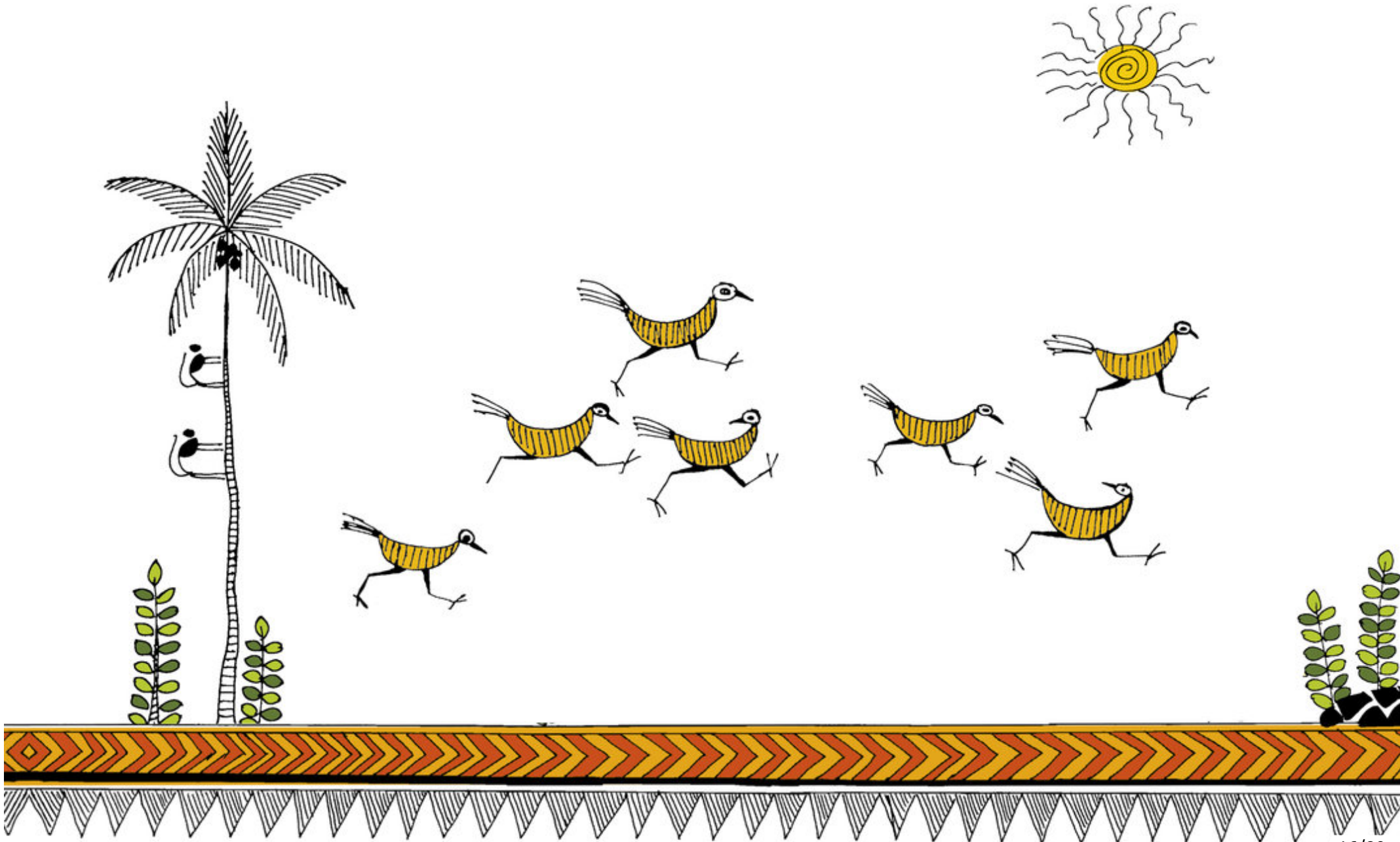
“अपना बड़ा सा मुँह खोल दीजिये और मैं उसमें गिर पड़ूँगा,” नन्हा चूड़ा बोला।



मुँह फाड़ कर सियार बेल के नीचे खड़ा हो गया।



नन्हे चूड़े ने उसमें एक बड़ा सा बेल टपका दिया और सियार मर गया।



नन्हा चूज़ा वहाँ से ख़ुशी-ख़ुशी उड़ चला।



संकल्पना

भारत की विविध भाषाई समृद्धि बच्चों की कहानियों के लिए एक अनमोल खज़ाना है। दुर्भाग्य से कई जनजातीय भाषाओं में बाल साहित्य पुस्तकों के रूप में नहीं है और न ही बच्चों के लिए मज़ेदार किताबें हैं। क्योंकि बढ़ती संख्या में अब आदिवासी बच्चे स्कूल जा रहे हैं तो पहले से कहीं ज़्यादा आवश्यक है कि उनकी भाषाओं में बाल साहित्य की रचना हो। साहित्य जो उनके परिवेश को दर्शाते हुए किताबों से परे की दुनिया तक की राह खोले क्योंकि पुस्तकें जादुई होती हैं और मनोरंजक तरीके से सूचित और शिक्षित करती हैं। पुस्तकें हर बच्चे को उसके अनूठे तरीके से ज्ञान का एक स्वतः और जीवन भर का साधक बना देती हैं। हर बच्चे के लिए शिक्षा सार्थक हो सके इसके लिए उसे अपनी भाषा में किताबें पढ़ने को मिलनी ही चाहिए।

परियोजना

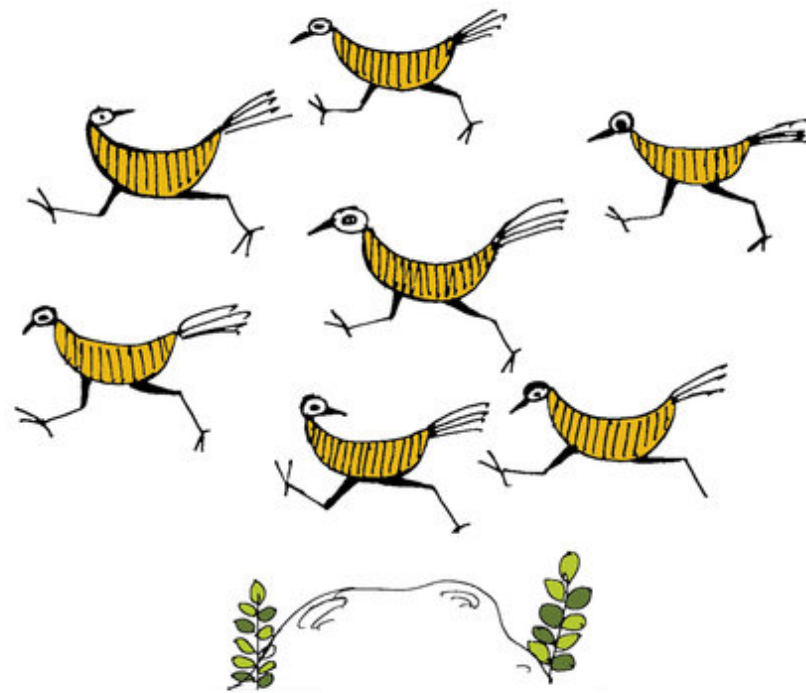
प्रथम बुक्स और इनस ई.आर.जी. ने बर्नार्ड फॉन लियर फाउंडेशन के सहयोग से ओडिशा की चार भाषाओं— मुंडा, कुई, सौरा और जुआँग में बच्चों के लिए पहली दस पुस्तकों को तैयार किया है। कहानियों का लेखन और उनका चित्रांकन इन्हीं भाषाओं के लेखकों और चित्रकारों ने कार्यशालाओं की एक शृंखला में किया। इन पुस्तकों की शृंखला को हमने नाम दिया है **आदिकहानी**। मुख्यधारा में पर्याप्त स्थान न मिलने वाली संस्कृतियों को एक आवाज़ देने का यह एक महत्वपूर्ण पहला कदम है।

सहयोगी

इनस ई.आर.जी. ऐसे व्यक्तियों का समूह है जो विशेष रूप से सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और शिक्षकों को हर सम्भव सहयोग देने में जुटा हुआ है। वे शिक्षा के क्षेत्र में बराबरी और हाशिए पर जी रहे बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हैं।

बर्नार्ड फॉन लियर फाउंडेशन हेग स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय अनुदान एजेंसी है। इसका ध्येय है सामाजिक और आर्थिक रूप से कठिन परिस्थितियों में जी रहे बच्चों के लिए अवसर जुटाना। मातृभाषा पर आधारित शिक्षा ज़्यादा से ज़्यादा बच्चों को मिले इसके लिये यह एजेंसी प्रयास कर रही है।

यह कहानी जुआँग लेखकों के समूह द्वारा लिखी गयी जिसमें डम्बरुधर जुआँग, हितबंधु जुआँग, खेत्रबासी जुआँग, कोडंडा जुआँग और महेवर जुआँग शामिल थे। नव बाल शिक्षण में अनुभव प्राप्त ये सभी नियमित रूप से बच्चों के साथ काम करते हैं। सौरा भित्तिचित्र शैली को आधार मान के सुग्रीब कुमार जुआँग ने इसका चित्रांकन किया है। जुआँग ओडिशा के क्याँझर, जाजपुर और मयूरभंज जिलों में एक लाख से अधिक लोगों की भाषा है। यह मुंडा भाषा परिवार का हिस्सा है।



Story Attribution:

This story: चतुर चूज़ा is translated by [Rajesh Khar](#). The © for this translation lies with Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'ଏଣ୍ଡେଇ ସେଂକଏ ଆଉ କୁଲାବ ସୁମୁଦିଞ୍ଜି /କୁକୁଡ଼ା ଏବଂ ବେଲ ଗଛ', by [Juanga Writers' Group](#). © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Chatur Chooza' has been published on StoryWeaver by Pratham Books as a part of Adikahani series of ten books. The development of this book has been supported by Bernard van Leer Foundation along with our Content Partner IgnusERG. www.prathambooks.org

Images Attributions:

Cover page: [Folk art with a chicken in a bottlegourd with other birds in the background](#) by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [Jackal and chickens with some trees](#) by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [Folk art with yellow background and border](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [Animal hiding behind bushes](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [Folk tribal art with green background and border](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [Jackal chasing chickens](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [Folk tribal art with yellow background and border](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Jackal licking a bottlegourd with a chicken hiding inside](#) by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Folk art with green background and border](#) by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [Chicken breaking out of a bottlegourd and flying away](#) by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

Images Attributions:

Page 11: [Folk tribal art with yellow background](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: [Jackal looking at a chicken sitting up on the tree branch](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: [Folk tribal art with green background](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: [Jackal falling on the ground upside down with birds around him](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: [Folk art with yellow background](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: [Chickens flying away](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: [Folk tribal art with green background and border](#), by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: [Folk tribal art with yellow background and margins](#) by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: [Folk tribal art with green background and margins](#) by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: [Chickens walking together in a brood](#) by [Sugrib Kumar Juanga](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

चतुर चूज़ा

(Hindi)

जब सियार एक चूज़े को पकड़ने आया तो उस नन्ही जान को बड़ी तेज़ी से बचने का उपाय सोचना पड़ा। और चूज़ा अपनी जान बचाने में कामयाब रहा!

This is a Level 2 book for children who recognize familiar words and can read new words with help.



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!